

ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

माया मुक्त ब्राह्मण जीवन के लिए

परमात्म इशारे

अपने साथ प्रतिज्ञा करो...,
कभी किसी की कमी-कमज़ोरी को
ना देखेंगे, ना सुनेंगे, ना बोलेंगे।
सदा अशुभ को भी शुभ दृष्टि से ही देखो।

(अव्यक्त महावाक्य - 31.12.1994)



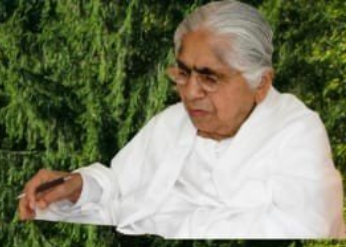


शिवशक्ति सरस्वती माँ

मातेश्वरी जी से सब सन्तुष्ट थे और
मातेश्वरी जी भी सभी से सन्तुष्ट
थीं। मातेश्वरी जी किसी के
भाव-स्वभाव के प्रभाव में नहीं
आती थीं। सबको प्रेम से जीतती
थीं इसीलिए कोई उनको पराया
नहीं समझता था। ईश्वरीय ज्ञान
की नयी बातों को न मानने वाले
भी मातेश्वरी जी के व्यक्तित्व की
महिमा करते थे। उन्हें सभी अपनी
माँ समझते थे।



Swayam ke Swabhaav Sanskar ka Paper



अपने आप से पूछो ऐसी बेहद की स्वतन्त्र आत्मा बने हैं! सबसे पहली स्वतन्त्रता है देहभान से स्वतन्त्र। जब चाहे तब देह का आधार ले, जब चाहे देह से न्यारे हो जाए। देह की आकर्षण में नहीं आये। दूसरी बात - स्वतन्त्र आत्मा कोई भी पुराने स्वभाव और संस्कार के बन्धन में नहीं होगी। पुराने स्वभाव और संस्कार से मुक्त होगी। साथ-साथ किसी भी देहधारी आत्मा के सम्बन्ध-सम्पर्क में आकर्षित नहीं होगी। सम्बन्ध-सम्पर्क में आते न्यारे और प्यारे होंगे। तो अपने को चेक करो - कोई भी छोटी सी कर्मेन्द्रियाँ बन्धन में तो नहीं बांधती? अपना स्वमान याद करो - मास्टर सर्वशक्तिवान, त्रिकालदर्शी, त्रिनेत्री, स्वदर्शन चक्रधारी, उसी स्वमान के आधार पर क्या सर्वशक्तिवान के बच्चे को कोई कर्मेन्द्रिय आकर्षित कर सकती? क्योंकि समय की समीपता को देखते अपने को देखो - सेकण्ड में सर्व बन्धनों से मुक्त हो सकते हो? कोई भी ऐसा बन्धन रहा हुआ तो नहीं है? क्योंकि लास्ट पेपर में नम्बरवन होने का प्रत्यक्ष प्रमाण है, सेकण्ड में जहाँ, जैसे मन-बुद्धि को लगाने चाहो वहाँ सेकण्ड में लग जाये। हलचल में नहीं आये। जैसे स्थूल शरीर द्वारा जहाँ जाने चाहते हो, जा सकते हो ना। ऐसे बुद्धि द्वारा जिस स्थिति में स्थित होने चाहो उसमें स्थित हो सकते हो? जैसे साइंस द्वारा लाइट हाउस, माइट हाउस होता है, तो सेकण्ड में स्विच आन करने से लाइट हाउस चारों ओर लाइट देने लगता है, माइट देने लगते हैं। ऐसे आप स्मृति के संकल्प का स्विच आन करने से लाइट हाउस, माइट हाउस होके आत्माओं को लाइट, माइट दे सकते हो? एक सेकण्ड का आर्डर हो अशरीरी बन जाओ, बन जायेंगे ना। कि युद्ध करनी पड़ेगी? यह अभ्यास बहुतकाल का ही अन्त में सहयोगी बनेगा। अगर बहुतकाल का अभ्यास नहीं होगा तो उस समय अशरीरी बनना, मेहनत करनी पड़ेगी। इसलिए बापदादा यही इशारा देते हैं - कि इस अभ्यास को सारे दिन में कर्म करते हुए भी अभ्यास करो। इसके लिए मन के कन्ट्रोलिंग पावर की आवश्यकता है।--30-11-2005



Achanak Aur Eveready

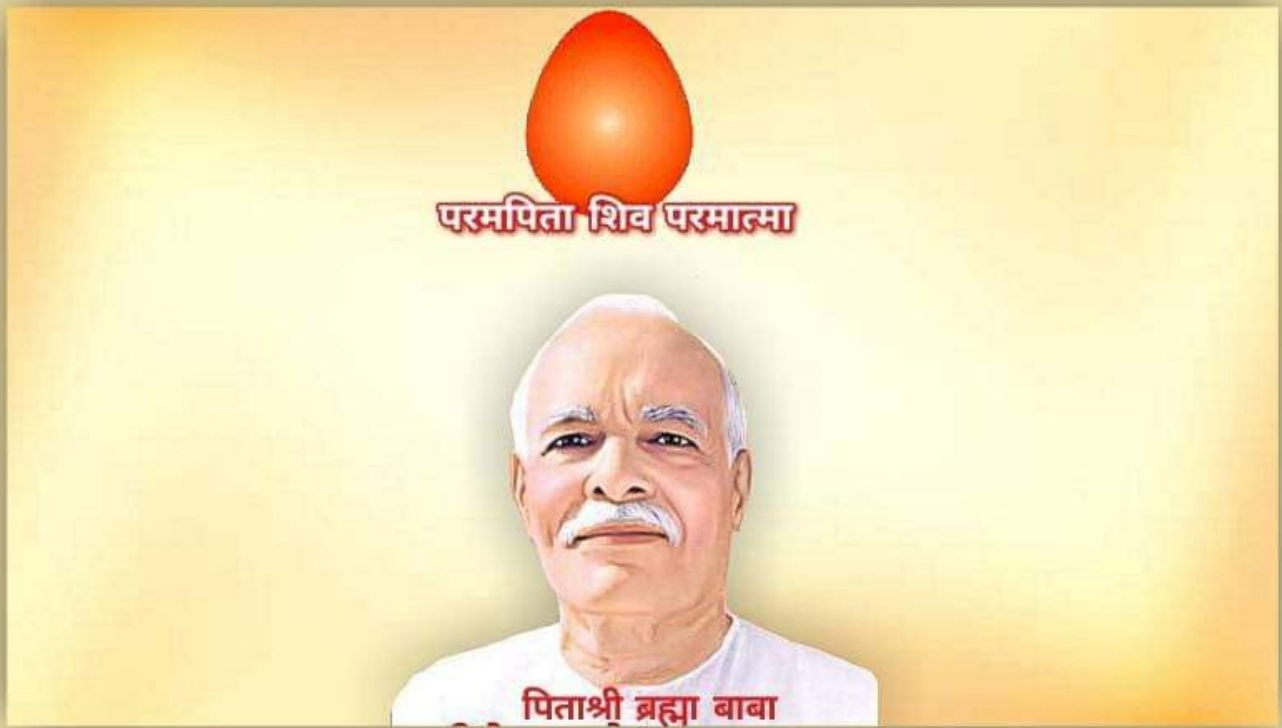


स्व-चिंतन का मतलब क्या है?

बापदादा 25.11.1995

स्वचिन्तन इसको नहीं कहा जाता है कि सिर्फ ज्ञान की पॉइन्ट्स रिपीट कर दी या ज्ञान की पॉइन्ट्स सुन ली, सुना दी-सिर्फ यही स्वचिन्तन नहीं है। लेकिन स्वचिन्तन अर्थात् अपनी सूक्ष्म कमज़ोरियों को, अपनी छोटी-छोटी गलतियों को चिन्तन करके मिटाना, परिवर्तन करना, ये स्वचिन्तन है। बाकी ज्ञान सुनना और सुनाना उसमें तो सभी होशियार हो। वो ज्ञान का चिन्तन है, मनन है लेकिन स्वचिन्तन का महीन अर्थ अपने प्रति है। क्योंकि जब रिज़ल्ट निकलेगी तो रिज़ल्ट में यह नहीं देखा जायेगा कि इसने ज्ञान का मनन अच्छा किया या सेवा में ज्ञान को अच्छा यूज़ किया। इस रिज़ल्ट के पहले स्वचिन्तन और परिवर्तन, स्वचिन्तन करने का अर्थ ही है परिवर्तन करना। तो जब फाइनल रिज़ल्ट होगी, उसमें पहली मार्क्स प्रैक्टिकल धारणा स्वरूप को मिलेगी। जो धारणा स्वरूप होगा वो नैचरल योगी तो होगा ही। अगर मार्क्स ज्यादा लेनी है तो पहले जो दूसरों को सुनाते हो, आजकल वैल्यूज़ पर जो भाषण करते हो, उसकी पहले स्वयं में चेकिंग करो। क्योंकि सेवा की एक मार्क तो धारणा स्वरूप की 10 मार्क्स होती हैं, अगर आप ज्ञान नहीं दे सकते हो लेकिन अपनी धारणा से प्रभाव डालते हो तो आपके सेवा की मार्क्स जमा हो गई ना।





Om Shanti

शिव परमात्मा को दाता के रूप में याद करो तो रूहानी अधिकारीपन का नशा रहेगा। शिक्षक के रूप में याद करो तो गाँडली स्टूडेंट हूँ, इस भाग्य का नशा रहेगा और सतगुरू हर कदम में वरदानों से चला रहा है हर कर्म में श्रेष्ठ मत-वरदाता का वरदान है। ऐसे सर्व प्राप्ति्यों से सम्पन्न रहो तो मेहनत से मुक्त हो जायेंगे

Join Brahma Kumaris

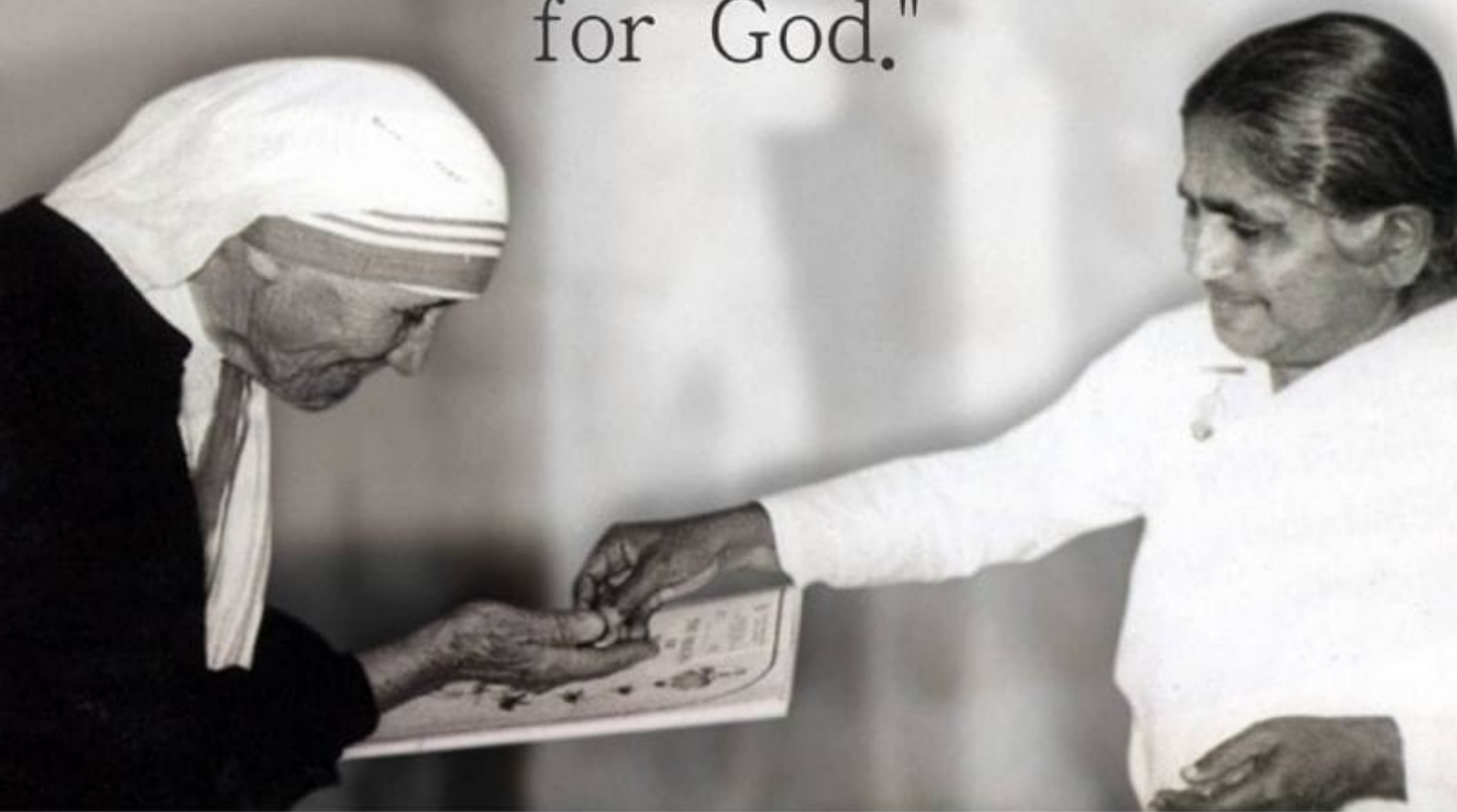


“ क्या आप phone को charge करे बिना सुबह घर से निकलते हैं ... नहीं ... क्योंकि phone से calls, chat, camera, videos, shopping, सब कुछ होता है, अगर phone charged है।

आपका मन आपकी सेहत बनाता है, रिश्ते निभाता है,
धन कमाता है, औरों की सेवा करता है।

क्या मन को सुबह charge करके निकलते हैं?
रोज़ सुबह 30 mins मन को charge करें,
सारा दिन easy रहेंगे, औरों को भी easy कर देंगे। ”

"To be connected to one God
and to maintain determined
thoughts means you are
acting as an instrument
for God."



~ Dadi Janki



Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR
www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website:
www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net
and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW

www.IshvariyaKhajana.BKhq.org